भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 633

29 नवम्बर, 2024 को उत्तर के लिए

इस्पात की कम कीमतें

633. श्री राघव चड्ढा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार घरेलू इस्पात कीमतों में 45 महीने के निचले स्तर के कारण इस्पात उद्योग और संबंधित क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव को किस प्रकार देखती है;

(ख) अधिक आपूर्ति और कम मांग की स्थिति का सामना कर रहे इस्पात विनिर्माताओं को सहायता प्रदान करने के लिए कौन-से उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस्पात की कम कीमतों के कारण, इस क्षेत्र में रोजगार पड़ने वाले संभावित प्रभावों का आकलन किया है;

(घ) घरेलू स्तर पर, विशेष रूप से अवसंरचना परियोजनाओं में इस्पात की मांग को बढ़ाने के लिए किन कार्यनीतियों पर विचार किया जा रहा है; और

(ङ) क्या सरकार घरेलू कीमतों को स्थिर करने के लिए इस्पात निर्यात बढ़ाने अथवा इसकी आपूर्ति को विनियमित करने के लिए रास्ते तलाश रही है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)**

(क) से (ङ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और इस्पात की कीमतें बाजार की मांग-आपूर्ति गतिशीलता द्वारा निर्धारित की जाती है। इस्पात की कम कीमतें प्रयोक्ता उद्योगों की उत्पादन लागत को कम करने में भी सहायता करती हैं। वर्ष 2023-24 और अप्रैल-अक्टूबर, 2024 के दौरान भारत में इस्पात के उत्पादन और मांग ने मजबूत वृद्धि दिखाई है जैसा कि नीचे दिया गया है:-

वर्ष	कच्चा इस्पात उत्पादन		तैयार इस्पात की खपत	
	मात्रा (मिलियन टन में)	%परिवर्तन	मात्रा (मिलियन टन में)	% परिवर्तन
2023-24	144.30	13.4	136.29	13.7
अप्रैल-अक्टूबर 2024-25*	85.40	3.6$	85.70	12.7$
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); *अनंतिम; $विगत वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में				

जारी....2/-

सरकार के उपायों के परिणामस्वरूप, देश में इस्पात क्षमता वर्ष 2020-21 में 144 मिलियन टन से बढ़कर वर्तमान में 180 मिलियन टन तक बढ़े गई है जिसने इस्पात क्षेत्र में रोजगार की वृद्धि में योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री गति-शक्ति मास्टर प्लान, प्रधानमंत्री आवास याोजना आदि के लिए महत्वपूर्ण पूंजीगत व्यय के माध्यम से अवसंरचना विकास पर जोर देने वाली सरकार की नीति देश में इस्पात की मांग और खपत को गति प्रदान करती है। इस्पात का निर्यात वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर निर्भर करता है और इस्पात निर्यात से संबंधित निर्णय इस्पात कंपनियों द्वारा बाजार की गतिशीलता के आधार पर लिए जाते हैं।

******